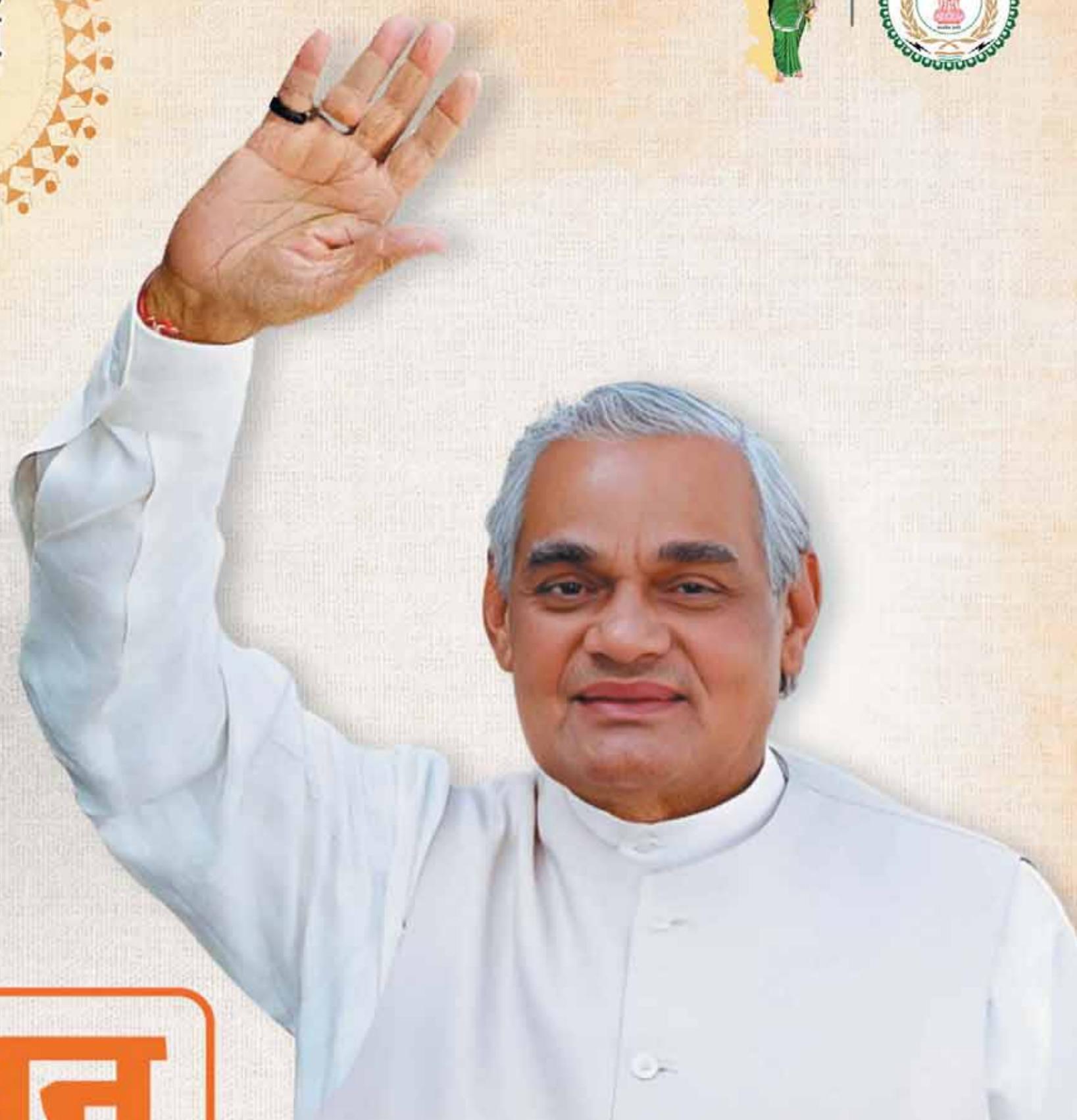






सुशासन 1  
का साल  
छत्तीसगढ़  
हुआ सुशासन



# सुशासन दिवस



श्री नरेन्द्र मोदी  
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय  
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता भारत रत्न

# श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी

को कोटि-कोटि नमन

हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे









## संपादकीय

### मोदी की कुवैत यात्रा संबंध मजबूत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कुवैत यात्रा से दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी की सालिया कुवैत यात्रा एक ऐतिहासिक क्षण है। वे चार दिनों से अधिक साथ में इस छाड़ी देश की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। कुवैत के अमीर शेष मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-जबर के आमंत्रण पर कोई इस यात्रा से भास्त और कुवैत के बीच संबंध मजबूत करने की प्रतिवेदना नहीं की हुई है। इसके केन्द्र में अधिक सहयोग, सांकेतिक आदान प्रदान तथा परस्पर समझौदा है जो गहरी रणनीतिक साझेदारी का रस्ता खोलते हैं। भारत और कुवैत के बीच शानियों पुराने संबंध हैं जिनका आशार व्यापार तथा सांस्कृतिक आदान प्रदान रहा है। समय बातें के साथ यह संबंध जीवन साझेदारी में विकसित हुआ जिसमें कॉर्ज, व्यापार तथा दोनों देशों की जनता के बीच संबंध शामिल है। अब कुवैत भारत का महत्वपूर्ण कॉर्ज संस्कार है, जबकि भारतीय विशेषज्ञ और अपराधिक कुवैत के विद्यार्थियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के बीच मजबूत होते संबंधों को रेखांकित करने हुए संकट के समय परस्पर सहायता के उदाहरणों पर जो दिया। कुवैत में भात के एक मिलियन से अधिक भारतीय विशेषज्ञ रहते हैं और अनिवासी भारतीयों ने कुवैत को प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका बना की है। इनसे स्वास्थ्यरक्षा, इंजीनियरिंग व शिक्षा समेत अनेक क्षेत्रों में योगदान दिया जाता है।

प्रधानमंत्री समुदाय को संबोधित करते हुए मोदी ने उनके प्रयासों को प्रशंसनी की। मोदी ने कहा, 'आपको कॉर्ज, प्रेम तथा भाल से अडिंग संबंध सम्बुद्ध करते हैं।'



और उसका भारत की कॉर्ज सुरक्षा में रणनीतिक महत्व है। इसके साथ ही अपने विश्वाल व लगातार बढ़ती आजार तथा नियंत्रण अवसरों के कारण भारत कुवैत को अपनी संभूत संपदा लगाने का आकर्षक लक्ष्य प्रदान करता है। अपनी चर्चाओं के दौरान प्रधानमंत्री ने दोनों देशों द्वारा समृद्ध होने के द्वायिकों का गठन किया जिसमें 'न्यू कुवैत' के साथ 2017 तक काम करने वाले विद्यार्थी विदेश बनाना शामिल है। इन लक्ष्यों को एकसाथ लाने से दोनों देश परस्पर बढ़को विद्यालयों को बढ़ावा देने वाली साझेदारी स्थापित कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कुवैत यात्रा के बीच सांकेतिक संबंधों का विकास भी शामिल है।

प्रधानमंत्री ने ऐसे अनेक लोगों से मुलाकात की जिनमें भारत-कुवैत संबंधों को बढ़ावा देने में योगदान किया है। इनमें अद्वितीय अल-बारूनी भी शामिल हैं जिन्होंने एक अनुदातक के रूप में भारतीय महाकालीं 'रामायण' एवं 'महाभारात' का अर्थात् भाष्यार्थी के लिए अनुवाद किया है। भारत और कुवैत आज भविष्य को और देख रहे हैं, ऐसे में यह यात्रा संबंधों का एसा चरण स्थापित करती है जो परंपरागत कॉर्ज संबंधों से अग्रे जाता है। कुवैत की विकास महत्वाकांक्षाओं के साथ भारत की तकनीकी विशेषज्ञता के सम्मिलन से प्रगति तेज होने की उम्मीद बढ़ती है। इसके साथ ही अनिवासी भारतीयों की मजबूत उपर्याप्ति एक नेतृत्व का काम करती है जो संबंधों तथा परस्पर समझदारी को और गहराई प्रदान करते हैं। इस साझेदारी को मजबूत कर भारत और कुवैत न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि इस क्षेत्र के स्थानीय और विकास में भी योगदान कर रहे हैं।

विकास शर्मा  
प्रकाशन अधिकारी  
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉर्ट  
डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी  
रायपुर (छ.ग.)



25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी है। देशभर में बहुतेरे आयोजनों के बीच शासन इसे सुशासन दिवस के रूप में मना रखी है। अटल जी स्वयं समन्वय की रणनीति करते हुए भी शासन की जवाबदेही पर बल देते रहे। सुशासन दिवस मनाने का ध्येय भी सत्ता और शासन तंत्र को जबाबदेही का अस्तास कराना है, जनहित में काम करने के लिए सकारी लोगों की भूमिका को रेखांकित करना है। ये दिवस देश और समाज की उत्तरी में शासन तंत्र को उसकी असल भूमिका का स्परण भी करता है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन को भारत सरकार ने वर्ष 2014 से सुशासन दिवस के तौर पर मनाने का नियंत्रण लिया। वाजपेयी का सत्ता और शासन तंत्र को लेकर जो नजरिया रहा है उसका पुनःस्परण कराना इस दिवस का एक अहम लक्ष्य है। राज्य की साथ सरकार का नारा है दृष्टि बनाया है और हम ही संवर्षों से सरकार की दूरदृशी सोच इस छोटे से नारे में समाहित है। अटल जी व्यवस्था की विफलता है। पांचवर्षीय में उत्तरी लेख में अटल जी ने कहा कि बेकरी, गरीबी, भूखर्मी इंश्वर का विधान नहीं, मनवीय व्यवस्था की विफलता का परिणाम है। इस बात को समझते हुए लोकतात्त्विक शासन व्यवस्था में प्रशासन को सबेदनशील और अधिक जबाबदेह बनाने पर उन्होंने जोर दिया। आज उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी प्रधानमंत्री नेतृत्व भी मोदी इस बात को अधिक बल देकर प्रतिष्ठित करते हैं कि less government and more governance से देश विकसित राष्ट्र की पक्षित में जल्द अपने को खड़ा कर पाएगा।

प्रदेश में यह दिवस के लिए एक अत्यधिक उत्सव है। अटल जी ने सत्ता को सेवा का विषय करने के लिए भविष्यत को श्रेयकर माना, ऐसे उच्च आदर्श की छाँव में भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। प्रदेश में 'हम बनाए हैं और हम ही संवर्षों' के संकल्प को जनता ने स्वीकारा तो है, अब इसे बनाए रखने के लिए अटल संकल्पों के साथ साथ सरकार को बढ़ावा देना होगा। सरकार ने एक साल में जो बहुत से घोषणा अनुरूप कार्य किए वो अपनी जाह ठीक हैं पर सबसे अधिक विश्वास भ्रष्टाचार के खिलाफ समय समय पर हो रही रहीं जो सरकार आती हैं वे योजनाएं बनाती हैं और बजट

विकास और उत्तरि के प्राप्तु में हर नागरिक अपना स्थान सुनिश्चित कर सके तभी सुशासन है। अटल मानते थे जो देश की दिरीता और विपत्ता है उसका कारण हमारी व्यवस्था की विफलता है। पांचवर्षीय में उत्तरी लेख में अटल जी ने कहा कि बेकरी, गरीबी, भूखर्मी इंश्वर का विधान नहीं, मनवीय व्यवस्था की विफलता का परिणाम है। इस बात को समझते हुए लोकतात्त्विक शासन व्यवस्था में प्रशासन को सबेदनशील और अधिक जबाबदेह बनाने पर उन्होंने जोर दिया। आज उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी प्रधानमंत्री नेतृत्व भी मोदी इस बात को अधिक बल देकर प्रतिष्ठित करते हैं कि less government and more governance से देश विकसित राष्ट्र की पक्षित में जल्द अपने को खड़ा कर पाएगा।

जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप कुछ काम ऐसे चल रहे हैं जो आज जाता है कि सरकार के साथ व्यवस्था भी बदल रही है। यह ताकिंग भी होगा कहना कि सामान्य तौर पर सरकारों तो बदल जाती है ताकिंग भी होगा कहना कि सामान्य तौर पर अपने को खड़ा करने के लिए अटल संकल्पों के साथ साथ सरकार को बढ़ावा देना होगा। सरकार ने एक साल में जो बहुत से घोषणा अनुरूप कार्य किए वो अपनी जाह ठीक हैं पर यह भी सच है कि नीयत के साथ होने पर व्यवस्था में फैली गंदगी की सफाई भी होती है। योजनाएं तो हजारों करोड़ की बनती हैं और सरकार आती हैं वे योजनाएं बनाती हैं और बजट

में ऐसे का आवंटन और फिर कई बार बंदरबाट भी होता है। पर सुशासन की नीयत से आई सरकार ने अपना ए-वैंडा साफ रखा कि जनता से यह सरकार है और जनता के लिए यह सरकार, बेहतर शासन वर्ग के केन्द्र में होंगी ग्रीब, उच्च, महिला और किसान। विकास का मॉडल जो मोदी ने तैयार किया है उसको सफल बनाने के लिए जनता के प्रति निष्ठा और संवेदनशीलता से भरे रहना चाहिए।

कल्याणकारी योजनाओं के लिए ऐसे भेजने से ज्यादा सान्तत्रंत्र की जबाबदेही को बढ़ाने से सुशासन अधिक प्रासारित होगा। अटल इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि वर्वासियों के कल्याण की बातों से नीचे नहीं उत्तरी तरीके पर रहती है। सभी वर्गों के कल्याणकारी राज्य की साकृत्यनाम नहीं है। इस बात को समझते हुए लोकतात्त्विक भी अधिक व्यवस्था में उत्तराधिकारी जनता के लिए ज्यादा विश्वास, पारदर्शी और भ्रष्टाचार के लिए कड़े रुख ने बढ़ाया है।

नरेन्द्र मोदी इसी बात को नए सिरे से परिभाषित करते हुए कहते हैं कि देश के विकास मॉडल में सबका साथ और संवेदनशीलता के लिए जनता के लिए यह सरकार, बेहतर शासन वर्ग के केन्द्र में होंगी ग्रीब, उच्च, महिला और किसान। विकास का मॉडल जो मोदी ने तैयार किया है उसको सफल बनाने के लिए जनता के प्रति निष्ठा और संवेदनशीलता से भरे रहना चाहिए।

सुशासन दिवस किसी प्रकार के शास्त्रिक शपथ, विचार गोष्ठी और कवि सम्मेलनों के आयोजन की सम्भावना नहीं है। अटल इस बात को लेकर आयोजन की सम्भावना रखता है। उसको संवेदनशीलता से भरे रहना चाहिए। अन्य अवश्यकता नहीं है। इसके लिए ज्यादा विश्वास, पारदर्शी और भ्रष्टाचार के लिए कड़े रुख ने बढ़ाया होगा।

सोशल मीडिया से इतर सुशासन दिवस पर सुशासन के पुरुषों राजनीतिज्ञ पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों को सामर्थ्य के रूप में उत्कृष्ट भावना देना चाहिए। इसके लिए यह सुशासन के व्यवस्थाओं को अधिक सत्करण रखना चाहिए।

वार्षिक दिवस के लिए आयोजकों ने विविध रूपों में उत्सव बनाए हैं। वैदी पात्र कम जाने के लिए यह सुशासन तंत्र में प्रतिष्ठित होती रही है। इंश्वरीय सं











VARGHESE BUILDERS  
Where quality meets itself

# क्रिसमस एवं नववर्ष

की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

**BUY HOME  
GET INCOME****Varghese Luxury**

Furnished Flats Like Hotel Suit



PLOTS, FLATS &amp; BUNGALOWS

Visit Website  
[varghesebuilders.com](http://varghesebuilders.com)AT VARGHESE WINGS  
Dharampura Road JagdalpurVARGHESE BUILDERS  
ENGINEERS & COLONISERS(REGD.)

7024020529, 9826365392

**Wish you all peace & Joy Of**

**Merry Christmas**  
& Prosperous New Year 2025

**MANAGEMENT, DEEPTI CONVENT HR. SEC. SCHOOL  
(ENGLISH & HINDI MEDIUM)**

AFFILIATION NO.-3330205, SCHOOL CODE-15066  
ADDRESS :- AGHANPUR, JAGDALPUR, DIST-BASTAR

**Merry Christmas**

**CHRIST COLLEGE OF NURSING  
JAGDALPUR**

- Recognized by Indian Nursing Council New Delhi.
- CG Nursing Council, Raipur.
- Approved by Govt. of Chhattisgarh.
- Affiliated to Pt. Deendayal Upadhyay Memorial Health Science and Ayush University

Contact Us      • 98127946906, 9179128591, 9977959970  
[www.christnursing.com](http://www.christnursing.com) [christnursing.jdgp@gmail.com](mailto:christnursing.jdgp@gmail.com)

Admission Open

**B. Sc  
Nursing**

**24X7 Casualty**

**SMC MPM**  
CARDIAC CENTRE  
BASTAR REGION  
1st CARDIC CATH LAB

**Facilities**

- 24 Hour Pharmacy
- Ambulance Service
- Ayushman Bharat
- Blood Centre
- Cath Lab
- C-arm
- Dental Care
- Department ICU
- Dialysis
- Digital X-Ray
- ECG
- ECHO
- Fully Computerized Lab
- Laparoscopy Surgery
- Modern Eye Surgery
- NICU
- Physiotherapy
- Private Room Ac/Non-AC
- Sonography
- Ultra Sound

**Wish you Merry Christmas  
&  
Happy New Year**

To Live the Life in Its Fullness

**MPM HOSPITAL**

Aghanpur, Jagdalpur Chhattisgarh 494001, Contact : (07782) 229030, 8109229030  
[Web : www.mpmhospitaljagdalpur.com](http://www.mpmhospitaljagdalpur.com), E-mail: [mpmhospital@gmail.com](mailto:mpmhospital@gmail.com)

**MPM BLOOD CENTRE**  
LICENCE NO.  
CG/28-C-104/2023

A Unit Of Shanti Service Society

संकलनकर्ता - रमेश पाण्डे, व्यूरोचीफ जगदलपुर, मोबाइल नंबर :- 94061-54682

सीएमवाइके प्रिटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायरेट लिमिटेड पीएसबी के सामने जयसंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी\*

सामाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2024-26, दूरभाष नंबर 0771-2972403